कंडोम

ifrHkkfx;ksa ds }kjk vDlj iNs tkus okys iz'u

i:-1- ***क्या कंडोम बहुत जल्दी फट जाते हैं या फिसल सकते है ?***
नहीं । कंडोम केवल दो प्रतिशत स्थितियों में ही फटते हैं या फिसल जाते हैं– वे भी यदि उनका सही प्रयोग ना किया गया हो। इसलिए क्लाइंट को कंडोम के पैकैट को सही तरीके से खोलना, लगाना व उतारना सिखाना बहुत ज़रूरी है,साथ ही उसे यह भी समझाया जाए कि कंडोम को फटने से बचाने के लिए वो क्या सावधानी बरते।

i:-2- ***क्या कंडोम से ज्यादातर लोगों को एलर्जी हो जाती है ?***
ऐसा नहीं है, आमतौर पर कंडोम से एलर्जी नहीं होती। बहुत कम लोगो का कभी कभार हल्को एलर्जी हो सकती है और गंभीर एलर्जी होने की संभावना तो बहुत ही कम होती है।

i:-3- ***क्या कंडोम के प्रयोग से लिंग उत्तेजित नहीं हो पाता और पुरूष नपुंसक हो जाता है?***
ऐसा नहीं है, कंडोम के प्रयोग से नपुंसकता नहीं होती है। संभव है कंडोम स कुछ पुरूषों को उत्तेजना बनाए रखने में कठिनाई होती हो क्योंकि इनसे संभोग के समय अहसास में कुछ कमी आ सकती है।
ऐसे में अहसास को बढ़ाने के लिए अधिक ल्यूब्रिकैंट वाला कंडोम प्रयोग करना सहायक होता है।

i:-4- ***सुना है कंडोम से संभोग का आनंद कम हो जाता है। ऐसे में क्या किया जाए?***
कंडोम बहुत पतले और मुलायम रबर के बने होते हैं। इन्हें प्रयोग करने से पुरूष व महिला के बीच एक बहुत पतला पर्दा अवश्य आता है, फिर भी वह संभोग के आनंद को बनाए रखते हैं क्यों कि वे गर्भ व यौन रोगों के भय से मुक्त रहते हैं। कंडोम से संभोग के समय अहसास में कुछ कमी आ सकती है। ऐसे में अहसास को बढ़ाने के लिए अधिक ल्यूब्रिकैंट वाला कंडोम प्रयोग करना सहायक होता है। साथी से बातचीत करना भी सहायक होता है।

i:-5- ***क्या कंडोम का प्रयोग आमतौर पर आकस्मिक सैक्स संबंधों में ही किया जाता है?***
ऐसा नहीं है। कंडोम का प्रयोग केवल आकस्मिक सैक्स संबंधों में ही नहीं किया जाता है। दुनिया भर में विवाहित दम्पति भी कंडोम प्रयोग करते हैं उदाहरणतः जापान में ४२ प्रतिशत विवाहितदम्पति कंडोम का प्रयोग करते हैं।

i:-6- ***यदि कंडोम संभोग के दौरान फट या फिसल जाए तो गर्भ से बचाव के लिए क्या करें ?***
ऐसी स्थिति में अनचाहे गर्भ से बचने के लिए महिला जल्द से जल्द एमरजैंसी कॉन्ट्रासैप्टिव पिल्ज़ ले।

i:-7- ***यदि कंडोम संभोग के दौरान फट या फिसल जाए तो यौन रोगों से बचाव के लिए क्या करें ?***
ऐसी स्थिति में यौन रोगों से बचाव के लिए कुछ विशेष नहीं किया जा सकता।
जिन स्थितियों में एच.आई.वी संक्रमण हो जाने का बहुत खतरा हो, उनमें एंटी–रैट्रो वायरल दवा के प्रयोग से उसकी सम्भावना को कम किया जा सकता है। जिन स्थितियों में यौनरोग हो जाने का बहुत खतरा हो, उनमें यौनरोग की दवा दे दी जाती है, यह मानकर कि यौनरोग हो चुका है।

i:-8- ***क्या अधिक सुरक्षा के लिए एक साथ दो–तीन कंडोम प्रयोग कर सकते हैं ?***
एक साथ दो–तीन कंडोम प्रयोग करने के लाभ के विषय में कोई सांइटिफिक साक्ष्यउपलब्ध नहों है। ऐसा करने की राय नहीं दी जाती क्योंकि दो कंडोम के बीच की रगड़ के कारण उनके फटने की संभावना बढ़ जाती है।

i:-9- ***क्या कंडोम का प्रयोग गुदा में संभोग (एनल सैक्स) के दौरान यौनरोगों से बचाव के लि भी किया जाता है ?***
हा , हर प्रकार के सैक्स के दौरान, जिसमें लिंग को दूसरे व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करवाया जाए, यौनरोग लग जाने का खतरा होता है और कंडोम के प्रयोग द्वारा उनसे बचा जा सकता है। असुरक्षित योनि सैक्स की तुलना में असुरक्षित एनल सैक्स करवाने वाले को एच.आई.वी होने का खतरा पांच गुणा अधिक होता है। एनल सैक्स के दौरान लैटेक्स के कंडोम के साथ जल या सिलिकॉन वाले ल्यूब्रिकैंट को प्रयोग करना आवश्यक होता है ताकि कंडोम को फटने से बचाया जा सके।

URBAN HEALTH INITIATIVE
शहरी स्वास्थ्य परियोजना